9487

1/14

<u>विक्रय पत्र</u>

विक्रय पत्र अंकन : 1,42,68,954/- रूपये ।
स्टाम्प पेपर -प्रश्नगत भूमि के क्रय हेतू किये जा रहे निबन्धन मे कर एवं निबन्धन विभाग की अधिसूचना संख्या क0नि0-5-893/ ग्यारह-2010-500 (83)-2005 दिनांक 06 मई 2010 की व्यवस्था के अनुसार संबधित विकासकर्ता कंपनी/कन्सार्शियम (क्रेता) स्टैम्प ड्यूटी से छूट के लिये पात्र है।

मै कि रविन्द्र चौधरी पुत्र श्री जयप्रकाश निवासी-ग्राम दुरयाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर (फरीक अव्वल /विक्रेता) ।

एवम

मैसर्स उप्पल चढ्ढा हाई टेक डेवलपर्स प्रा0 लि0 पंजीकृत कार्यालय 33, कम्यूनिटी सैंटर न्यू फैन्डस कालौनी नई दिल्ली द्वारा श्री दीपक पाठक पुत्र श्री अम्बादत्त पाठक, निवासी-33, कम्यूनिटी सैंटर न्यू फैन्डस कालौनी नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी (फरीक दोयम/केता)

For UPPAL CHADHA HI-TECH DEVELOPERS PVT LTD
Authorised Signatory

142, 68, 954/= 10000/=

252

100252 600

[illegible]

2/8/10

2/8/10

142,68,954/= [illegible]

[illegible]

No 33 [illegible]

[illegible]

विक्रीत भूमि का विवरण

(1) स्थित ग्राम दुरयाई परगना दादरी तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0), कृषि भूमि खाता नं0 205 के खसरा नं0 348मि. रकबई 1.3260 हैक्टे0 का सम्पूर्ण भाग का प्रथम पक्ष विक्रेता अनुसार खतौनी 1411-1416 फसली पूर्णतया स्वामी व विक्रय अधिकारी, संक्रमणीय भूमिधर कागजात दर्ज है, का बैनामा हाजा में विक्रय किया जा रहा है।

(2) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है। जो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लिंक मार्ग पर स्थित नही है। भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 500 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है तथा संक्रमणीय भूमिधरी की भूमि है। जिसका सरकारी सर्किल रेट 85,00,000/-रूपये प्रति हैक्टेयर है लेकिन प्रथम पक्ष ने सौदा द्वितीय पक्ष से 1,07,60,900/-प्रति हैक्टेयर की दर से अंकन 1,42,68,954/-रूपये (एक करोड बयालीस लाख अड़सठ हजार नौ सौ चव्वन रूपये मात्र) मे तय है ।

(3) विक्रेता अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजाति से नही है। विक्रीत भूमि ग्राम समाज, भूदान, वक्फ, पट्टे आदि की तथा निष्क्रान्ति व शत्रु संपत्ति नही है और न ही इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद है विक्रीत भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय में स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(1) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है ।

For UPPAL CHADHA HI-TECH DEVELOPERS PVT. LTD.

Authorised Signatory

अनिल कुमार

[illegible]

2/9/10

[illegible]

Anil Kumar

[illegible]

02/9/10

(4) विक्रेता ने विक्रीत भूमि का प्रमाणित खसरा, खतौनी, भी विक्रय पत्र के साथ संलग्न किया है।

(5) विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ फरीक अव्वल (विक्रेता) की ओर से हर प्रकार के बन्धक, भार व सरकारी देनदारी आदि से मुक्त है। कही अन्य जगह आड, रहन, बय, हिबै, महायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्ध सरकारी व निजी रूप आदि में ग्रस्त नही है। और न उक्त पर कोई बैंक ऋण व बिजली या अन्य किसी प्रकार का डयूज है। इस विक्रय भूमि से संबधित किसी भी प्रकार का विवाद-ग्रस्त मामला किसी भी न्यायालय व सरकारी व अर्द्धसरकारी विभाग/कार्यालय में न तो दर्ज है और न ही लम्बित है। और न ही किसी निर्णीत आदेश का क्रियान्वन ही लम्बित है।

(6) विक्रीत मिल्कियत उक्त के विक्रय मे कोई दोष व त्रुटि नही है हर प्रकार के वाद विवाद से मुक्त है उपरोक्त वर्णित /उल्लिखित भूमि के संबध मे मुझ विक्रेता ने किसी अन्य व्यक्ति, कम्पनी आदि के हक में कोई मौखिक करार, वसीयतनामा व विक्रय अनुबंध-पत्र, विक्रय पत्र, किसी भी कार्यालय में पंजीकृत व अपंजीकृत, पूर्व में न तो निष्पादित किया है और न ही कराया है और न ही कही नोटरी द्वारा सत्यापित हुआ है। यदि भविष्य में इस संबध में कोई भी वसीयतनामा, विक्रय अनुबंध/विक्रय पत्र प्रस्तुत करके विवाद उत्पन्न किया जाता है तो वह विवाद अमान्य व निष्प्रभावी होगा। तथा इसके जिम्मेदार फरीक अव्वल व उनके वारिसान होगे

For UPPAL CHADHA HI-TECH DEVELOPERS PVT LTD

Authorised Signatory

(7) मुझ विक्रेता को विक्रय पत्र मे वर्णित उक्त खाता नं0 205 के खसरा नं0 348मि. रकबई 1.3260 हैक्टर0 स्थित ग्राम दुरयाई परगना दादरी तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर उसके अपने हिस्से के पूर्ण भाग को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णतः प्राप्त है। मुझ विक्रेता को वास्ते तरक्की काश्त एंव अन्य निजी आवश्यकता हेतु पैसो की आवश्यकता है तथा हमें अपनी उक्त भूमि की उचित कीमत क्रेता से मिल रही है। अतः मुझ विक्रेता ने अपनी खुशी से बिना किसी दबाव व धमकाव के, बरजामंदी, शुद्ध बुद्धि व स्वस्थ इन्द्रियों की दशा में अपने पारिवारिक सहमति से मय समस्त अधिकार मालिकाना, काबिजाना, दाखिली-खारिजी, काश्त भराई, हर किस्म कब्जा गर्ज के जो कुछ भी अधिकार मुझ विक्रेता को विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उसमे कुछ बचा हुआ नही रहा है और आज की तारीख में विक्रय मैसर्स उप्पल चढढा हाई टेक डेवलपर्स प्रा0 लि0 पंजीकृत कार्यालय 33, कम्यूनिटी सैंटर न्यू फैन्डस कालौनी नई दिल्ली द्वारा श्री दीपक पाठक पुत्र श्री अम्बादत्त पाठक, निवासी-33, कम्यूनिटी सैंटर न्यू फ्रैन्डस कालौनी नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष को बैय कर दिया है यानि कतई बेच दिया है। भूमि का सौदा 10760900/ रू0 प्रति हैक्टेयर मे हुआ है जिसमे से 6014250/- रू0 प्रति हैक्टेयर की दर से नकद भुगतान बवक्त बैनामा किया गया तथा शेष 4746650 रू0 प्रति वर्ग मीटर की दर धनराशि का भुगतान नकद न करके शेष भुगतान 62,94,058/ रू0 10 महीने मे देना तय हुआ है के लिये पी. डी. सी. (Post Dated Cheque) चैक नम्बर 260012 धनराशि 62,94,058/-रू0 दिया जाता है ।

For UPPAL CHADHA HI TECH DEVELOPERS PVT LTD

Authorised Signatory

(8) विक्रय भूमि का कब्जा मौके पर क्रेता का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया है जिसके क्रेता पूर्णत: मालिक काबिज दाखिल बन गये है उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि को जिस प्रकार चाहे बहैसियत मालकाना प्रयोग में लावें।

(9) विक्रेता, विक्रीत भूमि के बाबत समस्त कागजात में बजरिये बैनामा दाखिल खारिज मालकागजात में कराकर क्रेता का नाम दर्ज करवायेगा या वो स्वयं दर्ज करवा सकते है तथा आवश्यक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे हस्ताक्षर मुझ फरीक अव्वल से करा सकते है, मुझ फरीक अव्वल को कोइ एतराज नही होगा ।

(10) अत: अब विक्रय पश्चात विक्रीत भूमि की मिलकियत भूमि में निहित हित व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वारिसान विक्रेता का, अब कोइं संबध बाकी नही रहा और न कभी रहेगा ।

(11) विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अव्वल/विक्रेता की ओर कोई भार निकला ओर निकला हुआ भार क्रेता या स्थानापन्न को अपने पास से अदा करना पड़ा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या वारिसान विक्रेता की दावेदारी या किसी कानूनी नुक्स आदि से विक्रय भूमि कुल अथवा उसका कोई अंश क्रेता या उसके वारिसान या स्थानापन्न के कब्जे मालकाना से निकल जाये, तो हर ऐसी दशा के उत्पन्न होने पर फरीक अव्वल/ विक्रेता व उसके उत्तराधिकारीगण पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे तथा क्रेता व उसके स्थानापन्न व उत्तराधिकारीगणों को पूर्ण अधिकार होगा कि अपने पास से

For UPPAL CHADHA HI-TECH DEVELOPERS PVT LTD

Authorised Signatory

अदा किये गये भार की तथा कब्जे से निकल जाने वाली भूमि की धनराशी को मय हर्जे खर्चे प्रथम पक्ष विक्रेता व विक्रेता वारिसान की चल व अचल सम्पत्ति से जिस प्रकार चाहे वसूल करा सकते है जिस पर फरीक अव्वल/विक्रेता को कोई आपत्ति नही होगी।

(12) विक्रय पत्र का समस्त खर्चा क्रेता ने वहन किया है। क्रेता कम्पनी का पेन नं0 AAACU7200M है ।

(13) अतः यह विक्रय पत्र खूब सोच समझ कर, सुनकर पढ कर गवाहों की उपस्थिति मे लिख दिया गया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवें।

(14) विक्रेता ने विक्रीत भूमि रकबई 1.3260 हैक्टेयर, खाता नं0 205 के खसरा नं0 348मि. स्थित ग्राम दुरयाई परगना व तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर के निमित्त निम्न विवरण के अनुसार विक्रय धनराशी प्राप्त कर ली है:-

(15) एक्सेस बैंक लि0 अम्बेडकर रोड नेहरू नगर गाजियाबाद ब्रान्च चैक नम्बर 260011 अंकन-79,74,896/-रूपये (उनयासी लाख चौहत्तर हजार आठ सौ छियानवे रूपये मात्र) दिनांकित 02-08-2010 फरीक अव्वल द्वारा अंतिम

For UPPAL CHADHA HI-TECH DEVELOPERS PVT LTD
Authorised Signatory

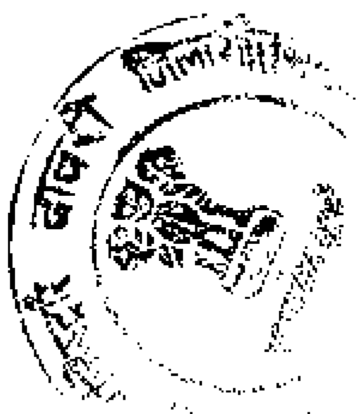

मद से प्राप्त कर लिये गये है।

[illegible]

Authorised Signatory

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा)
[illegible] अब्बल (विक्रेता)

(हस्ताक्षर/निशानी अंगूठा)
[illegible] (क्रेता)

गवाह नं0 1 [illegible]
अनिल कुमार S/o श्री [illegible]
नि० [illegible]

गवाह नं0 2 [illegible] S/o श्री [illegible]
नि० A-54 [illegible]

ड्राफ्ट दिनांक 02.08.2010 मसौदाकर्ता तेजेन्द्र सिंह एडवोकेट गाजियाबाद।

[illegible]

आज दिनांक 2/8/10 को फोटोस्टेट प्रतिपुस्तक संख्या 1 खण्ड संख्या 2860 के पृष्ठ 1/14 पर क्रम संख्या 9422 पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

उप निबन्धक
दादरी

उद्धरण खतौनी

ग्राम कोड : 71020115087 ग्राम का नाम : दुरयाई परगना : दादरी तहसील : दादरी

जनपद : गौतमबुद्धनगर फसली वर्ष : 1411-1416 43738 भाग : 1

खाता खतौनी क्रम संख्या	खातेदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	भौमिक अधिकार प्रारम्भ होने का फसली वर्ष	खाते के प्रत्येक गाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (हे.)	खातेदार द्वारा देय मालगुजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आज्ञा या उसका सारांश उनकी संख्या तथा दिनांक सहित और आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी
1	2			3	4	5	6	7-12	13
श्रेणी : 1-क	भूमि जो संक्रमणीय भूमिधरों के अधिकार में हो।								
00205	*रविन्द्र चौधरी	जयप्रकाश	नि. ग्राम	1410फ	348मि	1.3260			
					कुल गाटे : 1	कुल क्षे : 1.3260	44.50		

19-02-2009

उत्तर प्रदेश के अन्य पिछडे वर्ग के लिए जाति प्रमाण –पत्र
(प्रारूप प्रथम)

संख्या 6741/तहसीलदार/दादरी/2008/C-14903 दिनांक : 27/12/2008

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी **रविन्द्र** पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री **जयप्रकाश** निवासी मकान नम्बर ग्राम मौहल्ला **दुरियाई** तहसील **दादरी** जनपद **गौतमबुद्ध नगर** , उत्तर प्रदेश राज्य की **जाट** पिछडी जाति के व्यक्ति है। यह जाति उ0प्र0 लोक सेवा (अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछडे वर्गो के लिए आरक्षण) अधिनियम 1994 (यथा संशोधित) को अनुसूची एक के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी **रविन्द्र** पूर्वोक्त अधिनियम 1994 (यथा संशोधित)की अनुसूची दो (जैसा कि उ0प्र0 लोक सेवा) अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचि जनजाति और अन्य पिछडे वर्गो के लिए आरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2007 द्वारा संशोधित की गयी है) से आच्छादित नहीं है। इनके माता पिता की निरन्तर तीन वर्ष की अवधि के लिए सकल वार्षिक आय तीन लाख रूपये या इससे अधिक नहीं है तथा इनके पास धन कर अधिनियम 1957 में तथा विहित छूट सीमा से अधिक सम्पत्ति नही है।

यह प्रमाण पत्र श्री **अमित कुमार** लेखपाल की आख्या एवं आवेदक द्वारा दिए गए शपथ पत्र के आधार पर जारी किया गया।

स्थान गौतमबुद्ध नगर
दिनांक 27/12/2008

हस्ताक्षर

पदनाम : तहसीलदार दादरी

कार्यालय तहसीलदार दादरी

जिलाधिकारी/अतिरिक्त जिलाधिकारी/सिटी मजिस्ट्रेट
परगना मजिस्ट्रेट/तहसीलदार/अन्य वेतन भोगी मजिस्ट्रेट
यदि कोई हो/जिला समाज कल्याण अधिकारी।

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

पी० एन० बी०

ढपरौला

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) के सम्बन्ध में

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी/प्रार्थी गण ने अपनी भूमि जिसका खाता संख्या 205 खसरा नम्बर 3149M रकबा 1326 ओ स्थित ग्राम दुरयाई परगना दादरी व तहसील दादरी जिला गौ० बु० नगर। मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि मै0 उप्पल चढ्ढा हाईटैक डेवेलपर्स प्रा0 लि0 को बेचना है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन0 ओ0 सी0) प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

प्रार्थी

रविन्द्र कुमार S/o जयप्रकाश

नि० ग्राम – दुरियाई

TO WHOM IT MAY CONCERN

LEGAL OPINION CUM SEARCH REPORT

Dear Sir,

I have examined the documents (Khasra, Khatauni and Search Certificate) and old revenue records available regarding the property given below and on basis of documents provided by you, I have prepared a detail report in respect of the property mentioned here in below:-

Sl.No.	Particulars	Response
1	Name and Address of the owner/s	***Ravindra Chaudhary son of Sri Jai Prakash*** Resident of Village Duryai, Pargana Dadri, Tehsil-Dadri & Distt- Gautambuddhanagar
2	Respective shares	Full share in the property
3.	Detail of the property to be acquired	Khata No.205 Khasra No. 348 mi Area 1.326 Hect., situated at Vill- Duryai, Pargana Dadri, Tehsil-Dadri & Distt- Gautambuddhanagar Sold Area-1 326 Hect.
4.	Category of tenure holder	Tenure holder has transferable right
5.	Caste	Backward
6.	(i) Charges or lien over the property by Bank etc.	According to khatauni no charges or lien found on sold property.
7.	(ii) Whether NOC/No dues for transfer of land is required (from Mortgaged Bank/ financer/Money Lender, if any)	NOC of PNB, Chhaparaula is annexed with file
8	Details of Register search in the office of Sub-Registrar.	Search Certificate is not annexed with file.
9.	Revenue records inspected during investigation:	1) C H-45 2) Khatauni of fasli year 1405-1410 3) Khatauni of fasli year 1411 1416

Document	**Name endorsed**	**Khasra No.**	**Khata No.**	**Comments/Order**
CH-45	Ajay Kumar(minor) through guardian Smt. Kusumlata wife of Late Vijay Pal Singh	348	17	Total area of the land was **10 Bigha 17 Biswa 8 Biswansi** As per order dated 27.2.87 passed by ACO, Chhaparaula, the name of 1. Ravindra Kumar 2. Jitendra Kumar 3. Satendra

Office at
25, Salempur House, Qaiserbagh, Lucknow
Mobile No:09335266005, 09336833344, 09311558884

				Kumar 4. Anil Kumar 5. Pramod Kumar (minor) son of Sri Jai Prakash are mutated in place of Ajay Kumar son of Vijay Pal Singh from his 1/3 share.
Khatauni fasli year 1405-1410	Ajay Kumar (minor) son of Sri Vijay Pal Singh	348	13	Vide order dated 30.08.1997 passed by Tehsildar; case no 461, the names of purchasers Ravindra Kumar, Jitendra Kumar, Salendra Kumar, Anil Kumar, Pramod Kumar sons of Sri Jai Prakash are mutated in place of seller Ajay Kumar son of Vijay Pal Singh from 2 Bigha land of khasra no. 348mi through sale deed. ***Vide order dated 12.01.2001 passed by Naib Tahsildar; case no 67/01, the name of purchaser Ravindra Chaudhary son of Sri Jai Prakash is mutated in place of seller Ajay Kumar son of Vijay Pal Singh from his remaining share in Khasra no. 348 through sale deed.***
Khatauni fasli year 1411-1416	***Ravindra Chaudhary son of Sri Jai Prakash***	348mi	205	....
10.	Specific comments	***As per records available Seller has 1.326 Hect. in Khasra no. 348mi and he want to sell his full share as per proposal.*** x Sale deed of Ravindra chaudhary required before sale dee[d]		
11.	Remarks:	On the basis of the document and records available, the name of the aforesaid owner/s is/are endorsed in the revenue records and title chain is complete. Seller/s has/have clear, marketable and transferable rights.		

Date :

For-JURIX-PRO

(Benkat Raman Singh)
Advocate

उद्धरण खतौनी

ग्राम क्रमांक : 71020115087 ग्राम का नाम : दुरयाई परगना : दादरी तहसील : दादरी

जनपद : गौतमबुद्धनगर फसली वर्ष : 1411-1416 भाग : 1

खाता खतौनी क्रम संख्या	खातेदार का नाम	पिता / पति / संरक्षक का नाम	निवास स्थान	भौमिक अधिकार प्रारम्भ होने का फसली वर्ष	खाते के प्रत्येक गाटे की खसरा संख्या	प्रत्येक गाटे का क्षेत्रफल (हे.)	खातेदार द्वारा देय मालगुजारी या लगान	परिवर्तन सम्बन्धी आज्ञा या उसका सारांश उनकी संख्या तथा दिनांक सहित और आज्ञा देने वाले अधिकारी का पद	टिप्पणी
1	2			3	4	5	6	7-12	13
श्रेणी : 1-क	भूमि जो संक्रमणीय भूमिधरों के अधिकार में हो।								
00205	*रविन्द्र चौधरी	नरप्रकाश	नि. ग्राम	1410फ	348मि	1.3260			
					कुल गाटे : 1	कुल क्षे : 1.3260	44.50		

हस्ताक्षर

11-11-2009

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

~~उ०प्र० ग्राम विकास बैंक~~

~~दादरी~~

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) के सम्बन्ध में

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता संख्या 205 खसरा नम्बर 349 रकबा 1.3260 स्थित ग्राम [illegible] परगना दादरी व तहसील दादरी जिला [illegible]। मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि मै० उप्पल चढ्ढा हाईटैक डेवेलपर्स प्रा० लि० को बेचना है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण-पत्र (एन० ओ० सी०) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

प्रार्थी

रविन्द्र चौधरी

दादरी

उ०प्र० ग्राम विकास बैंक लि० ... गौतम बुद्ध नगर

No dues

2/9/10

सेवा में,

शाखा प्रबन्धक

~~पी०एन०बी०~~

~~छपरौली~~

विषय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) के सम्बन्ध में

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता संख्या 205 खसरा नम्बर 358m रकवा 1.3260 स्थित ग्राम [illegible] परगना [illegible] व तहसील [illegible] जिला [illegible] । मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि मै० उप्पल चड्ढा हाईटैक डेवेलपर्स प्रा० लि० को बेचना है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण-पत्र (एन० ओ० सी०) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

प्रार्थी

रविन्द्र चौधरी [illegible]

नि० - [illegible]

Punjab National Bank D-1425

आयकर विभाग
INCOME TAX DEPARTMENT
भारत सरकार
GOVT. OF INDIA

RAVINDER CHAUDHARY

JAI PRAKASH SINGH

05/07/1981

Permanent Account Number

ADWPC8326N

Signature

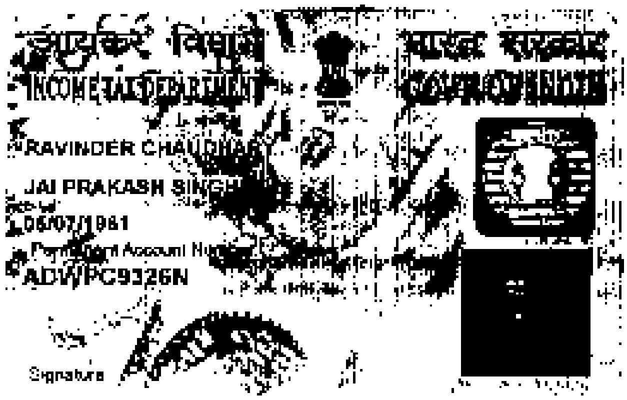

आयकर विभाग

INCOME TAX DEPARTMENT

भारत सरकार

GOVT. OF INDIA

RAVINDER CHAUDHARY

JAI PRAKASH SINGH

06/07/1961

Permanent Account Number

ADWPC9326N

Signature

13,551

2455

विक्रय पत्र

बेनामा 6,00,000/-रु0 स्टाम्प 69,300/-रु0

6,93,000/-रु0 सर्किल रेट अनुसार

मैं अजय कुमार पुत्र श्री विजयपाल निवासी ग्राम दुरियाई परगना व तहसील

दादरी जिला गौतमबुद्धनगर। फरीक अव्वल विक्रेता।

एवम

रविन्द्र भाटी पुत्र श्री जय प्रकाश निवासी ग्राम दुरियाई परगना व तहसील

दादरी जिला गौतमबुद्धनगर। फरीक दोयम क्रेता।

जो फरीक अव्वल विक्रेता निम्नलिखित अचल सम्पत्ति का पूर्ण स्वामी हूं जो आज दिन तक फरीक अव्वल विक्रेता की ओर से प्रत्येक प्रकार के कर्जे सरकारी व गैर सरकारी आदि से मुक्त है किसी अन्य स्थान पर आड़, रहन, बय, हिबय, माहदा, बैंक लोन, सीलिंग व जमानत आदि से ग्रस्त नहीं है किसी प्रकार के पट्टे आदि की भूमी नहीं है यानि हर प्रकार के पाक साफ है जिसमें फरीक अव्वल के अतिरिक्त अन्य कोई भागीदार किसी किस्म का नहीं है जिसको विक्रय करने की बावत फरीक अव्वल को पूर्ण अधिकार प्राप्त है और फरीक अव्वल के पूर्ण रूपेण कब्जे व अधिकार में है जिसकी फरीक अव्वल ने अपनी समस्त शुद्ध बुद्धि व स्थित की दशा में खूब सोच समझकर बिना दबाव या बहकाव के आज की बाजार कीमत के बदले अंकन।

मु0 6,00,000/-रु0 आधे 3,00,000/-रु0

रू0 होते हैं मैं बहक फरीक दोयम क्रेता उक्त को बेच दी तथा बय कतई कर दी। फरीक अव्वल ने सम्पूर्ण विक्रय धन राशि निम्नलिखित अनुसार प्राप्त कर ली है अब फरीक अव्वल ने भूमि पर कब्जा फरीक दोयम का पूर्ण रूप से करा दिया है। अब फरीक अव्वल तथा उत्तराधिकारियों स्थानापन्नों का विक्रय सम्पत्ति से कोई वास्ता किसी भी किस्म का बकाया नहीं रहा है तथा न ही भविष्य में। यदि फरीक अव्वल के स्वत्व या अधिकार के आभाव के कारण या किसी भागीदार उत्पन्न होने के अथवा किसी कर्जे आदि के कारण यदि विक्रीत सम्पत्ति का कोई अंश कब्जे फरीक दोयम क्रेता से निकल जाता है तो हर ऐसी दशा में फरीक दोयम को पूर्ण हक होगा कि वह अपना दिया हुआ कुल विक्रीत धन मय सूद कानूनी ब्याज सहित फरीक अव्वल की वहैं सम्पत्ति चल व अचल से चाहे जिस प्रकार वसूल करे जिसमें ~~अव्वल को व वारसान~~ को कोई ऐतराज नहीं होगा।

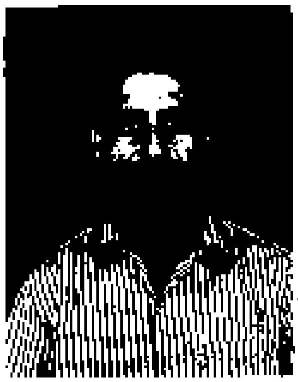

अतः यह **बिक्री पत्र** लिख दिया कि प्रमाण

बिक्री अदायगी जरे समन मु0 6,00,000/-रु0 इस प्रकार प्राप्त किया।

मु0 4,90,000/-रु0 बजरिये ड्राफ्ट 227897 दिनांक 4-11-2000

पंजाब नेशनल बैंक गाजियाबाद द्वारा व मु0 1,10,000/-रु0 पेशगी प्राप्त किये

विवरण सम्पत्ति जो बिक्रय की गई है स्थित

ग्राम दुरियाई पर/तह0 दादरी जिला -

अजय कुमार

6,00,000
8,93,000

बैनामा .... फीस रजि० 5000

नकल 20 योग 5020 शब्द लगभग 600

श्री अवधेश कुमार ....
पुत्र श्री विश्वनाथ पेशा व्यापार
निवासी हरिपुर खदान नगर गोरखपुर
ने यह लेख ....
पेश किया दफ्तर में आज दिनांक 6/11/2000
समय .... बजे पेश किया

उप रजिस्ट्रार
6/11/2000

उप रजिस्ट्रार कुमार

.... अब इसमें लिखे
जरे बदल मु० 600000- ....
जिसमें ....
.... पाकर उक्त श्री ....

[illegible]

[illegible]

01BB 214677

(2)

गाँव मकुन्दनगर में खाता संख्या 13 के खसरा नं0 348 रकबा 7-4-18 पुख्ता

अजय कुमार

कार्यालय उप कोषागार
दादरी
4 NOV 2000
स्टाम्प नं० 15 रु० 15.00 नाम
स्टाम्प नं० ...... में शामिल किया गया
उप कोषाधिकारी

श्री रविन्द्र चौधरी पुत्र श्री ओमप्रकाश सिंह दुरियाई

पहिचान श्री ओमप्रकाश
पुत्र श्री रामकिशोर पेशा खेती
निवासी दुरियाई फरुखनगर

व श्री महीपाल सिंह
पुत्र श्री ...... पेशा खेती
निवासी दुरियाई फरुखनगर ने की

उप निबंधक

6/11/2000

निबन्धक

लेखपाल

साक्षी भले प्रतीत होते हैं व पत्र नियमानुसार ......
उप निबन्धक

01BB 214676

(3)

मै ने अपना सम्पूर्ण रकबा 5-4-18 पुख्ता भूमि को इस बैनामा द्वारा मे

अजय कुमार

कार्यालय उप कोषागार
दादरी
4 NOV 2011
स्टाम्प नं० 17 रु० 15
स्टाम्प नं० 16 से शामिल किया गया

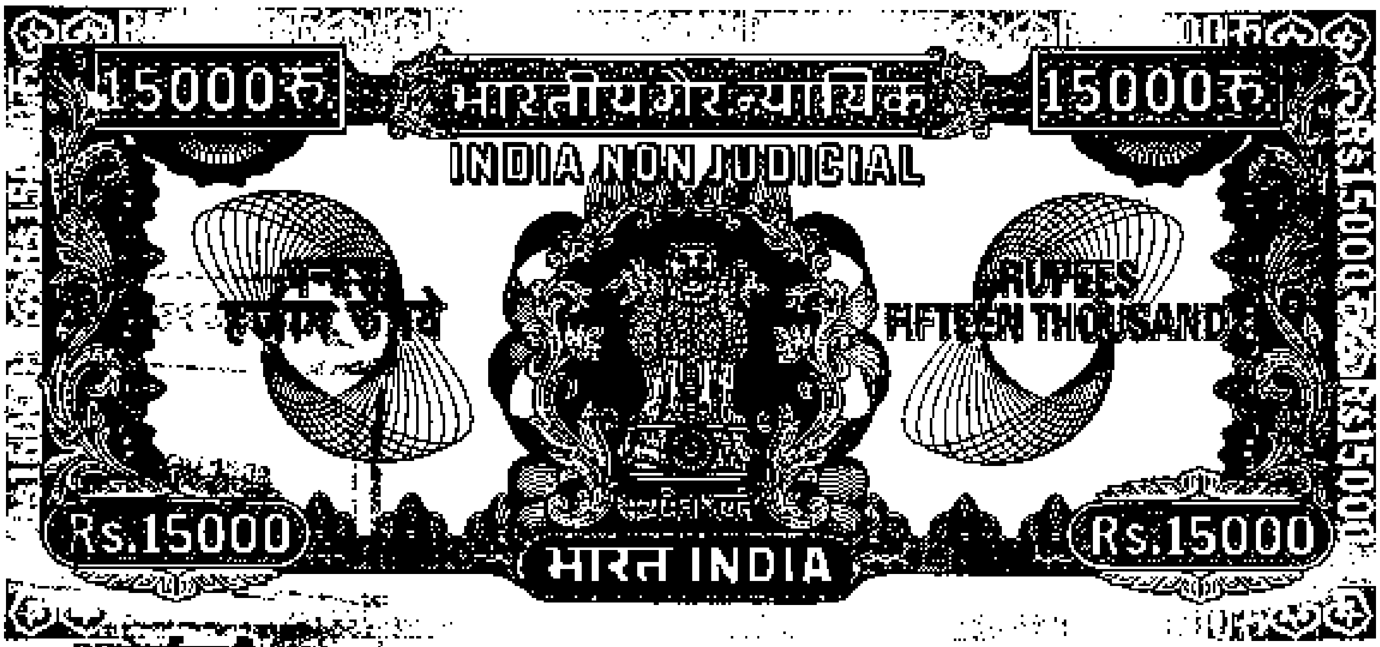

01BB 214675

बेचा गया है। विक्रित भूमि की किस्म जमीन सिंचित है। जिसका सर्किल

अजय कुमार

कार्यालय उप कोषागार
दादरी
4 NOV 2000
स्टाम्प सं० 18 ....रु० 15000/- नाम......
स्टाम्प सं० 16 ....से शामिल किया गया
उप कोषाधिकारी

01BB 214674

(5)

रेट 1,70,000/-रु0 प्रति बीघा पुख्ता है। जिसके अनुसार स्टाम्प अदा किया

अजय कुमार

2000
स्टाम्प नं०
स्टाम्प नं० ... में शामिल किया गया

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

भारत

पांच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

(7)

अनुसूचित जाति व जनजाति से नहीं है। विक्रित भूमि ग्राम समाज भूदान पट्टे

अजय कुमार

स्टाम्प नं. 21

स्टाम्प नं. 16 से

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. भारत Rs 1000

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

0272

¦4¦

आदि की नहीं है। विक्रित भूमि की बाबत पृष्ठ 4

अजय कुमार

1 6 11/90 100/- रविन्द्र चौधरी S/o जयप्रकाश नि. दोराई

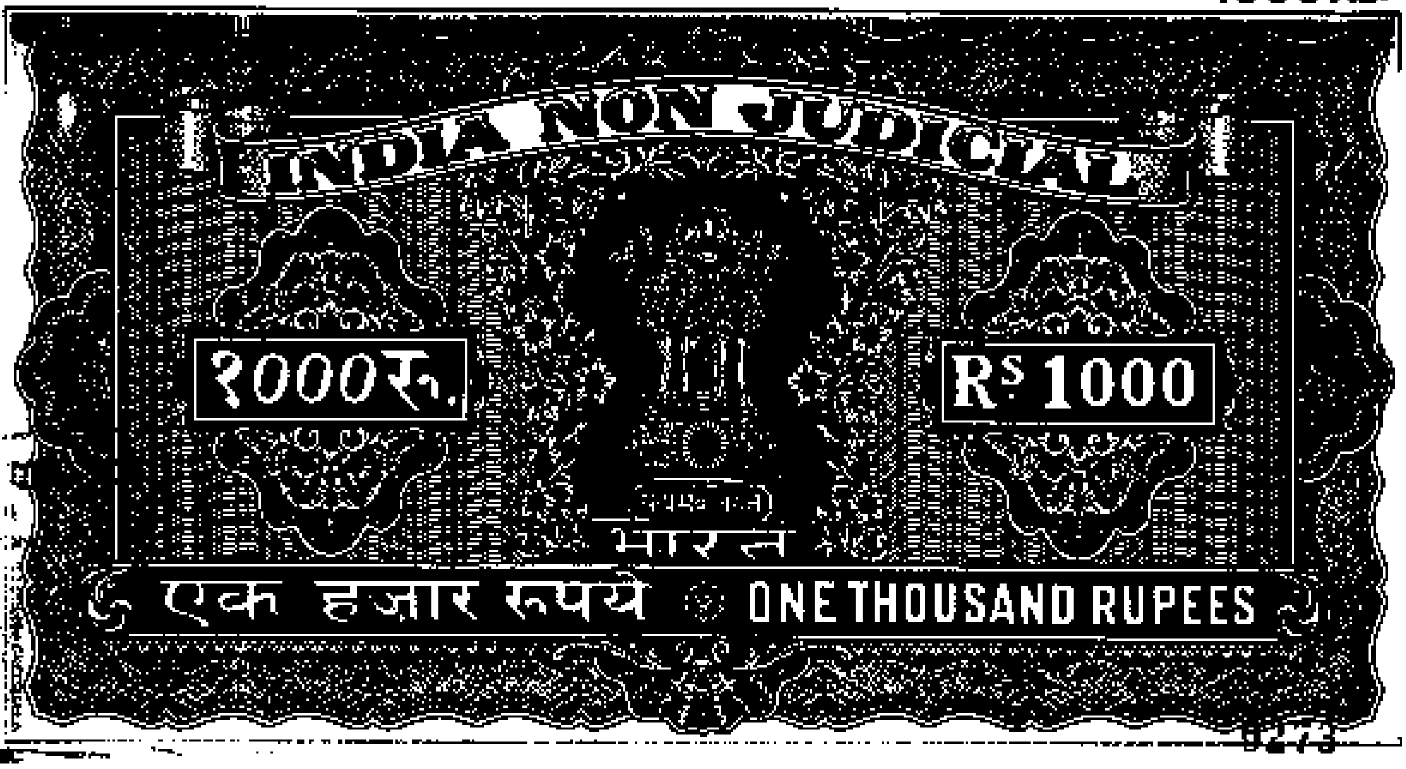

§9§

कोई इकरारनामा महापत्रावध नहीं हुआ है।

अजय कुमार

1000Rs.

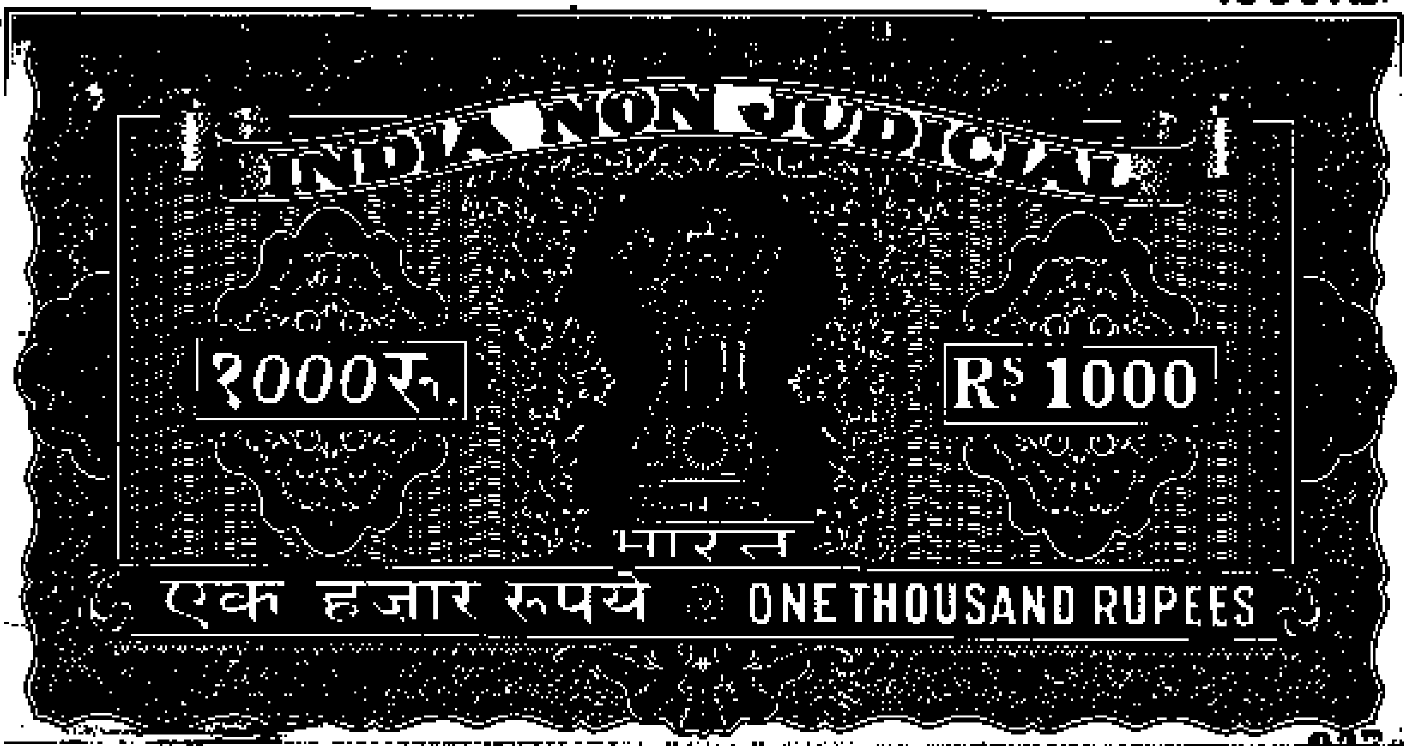

027

§10§

विक्रित भूमि मुख्य मार्ग से लगभग एक किलोमीटर

अजय कुमार

1000Rs.

0275

॥11॥

की दूरी पर जंगल में स्थित है। लिखित

अजय कुमार

4 / 1 6 11/Agosto

1000Rs.

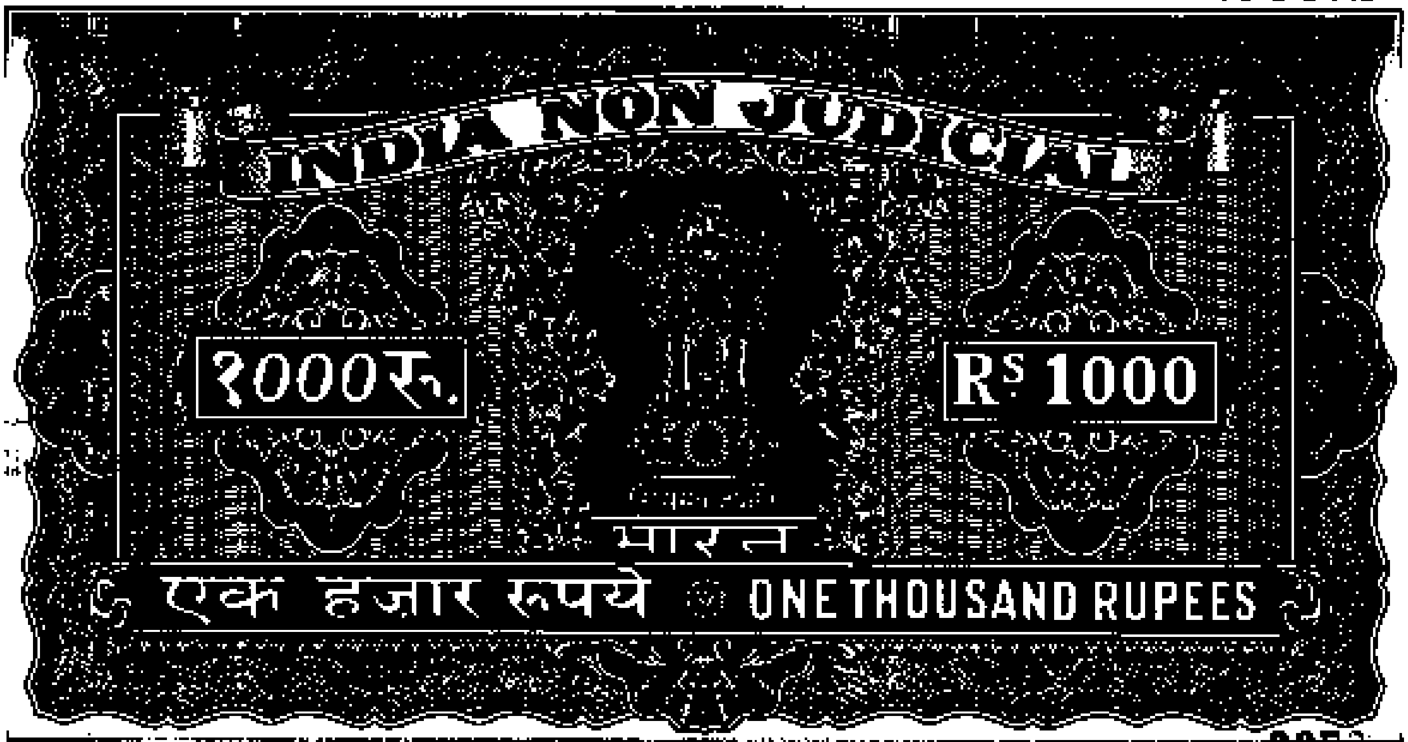

0270

॥12॥

भूमि में क्रेता सहखातेदार व मेन्ड मिलान है।

अजय कुमार

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२000रु. Rs 1000

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

0277

{ 13 }

विक्रित भूमि को वास्ते कृषि बेचा गया है।

अजय कुमार

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs 1000

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

0278

(5)

विक्रित भूमि संक्रमणीय भूमिधारी है।

अजय कुमार

1000Rs.

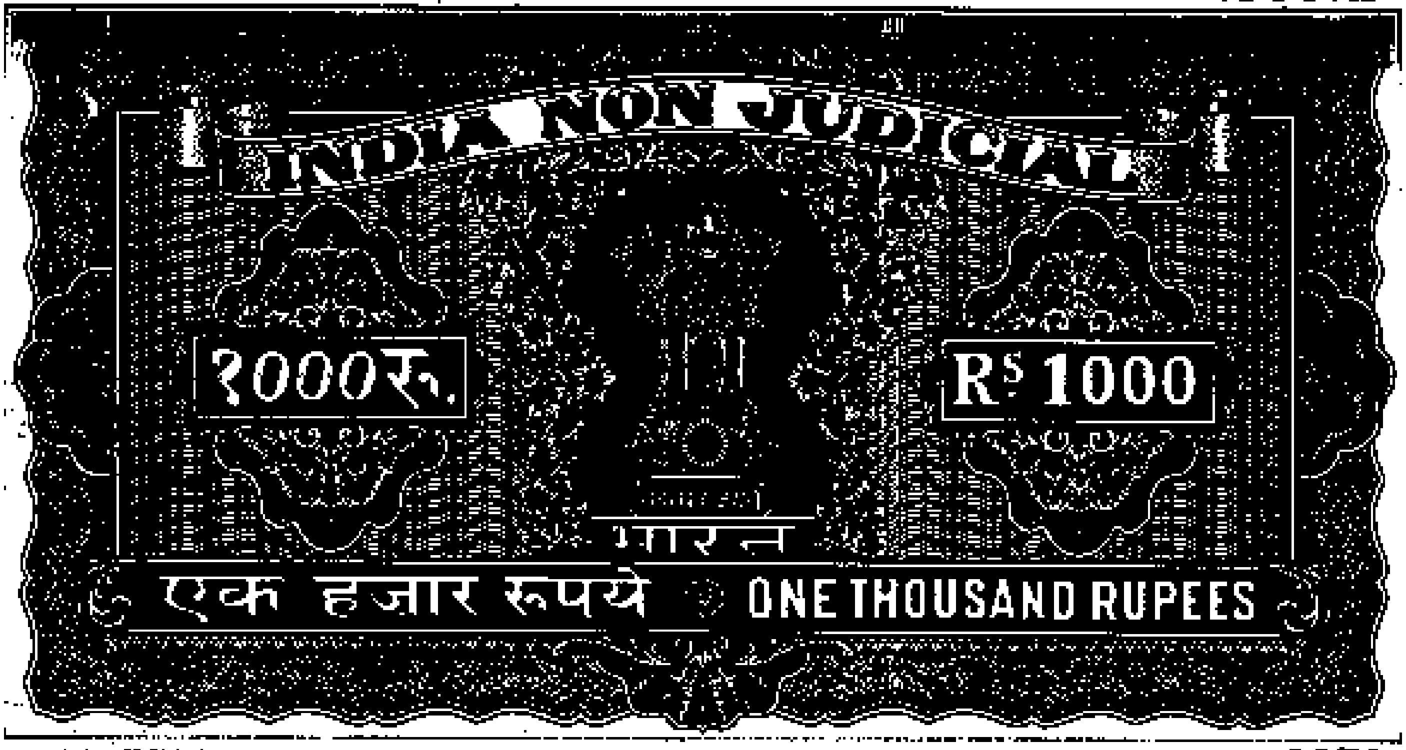

0273

§15§

विक्रित भूमि का दाखिल खारिज बाबत क्रेता

अजय कुमार

1000Rs.

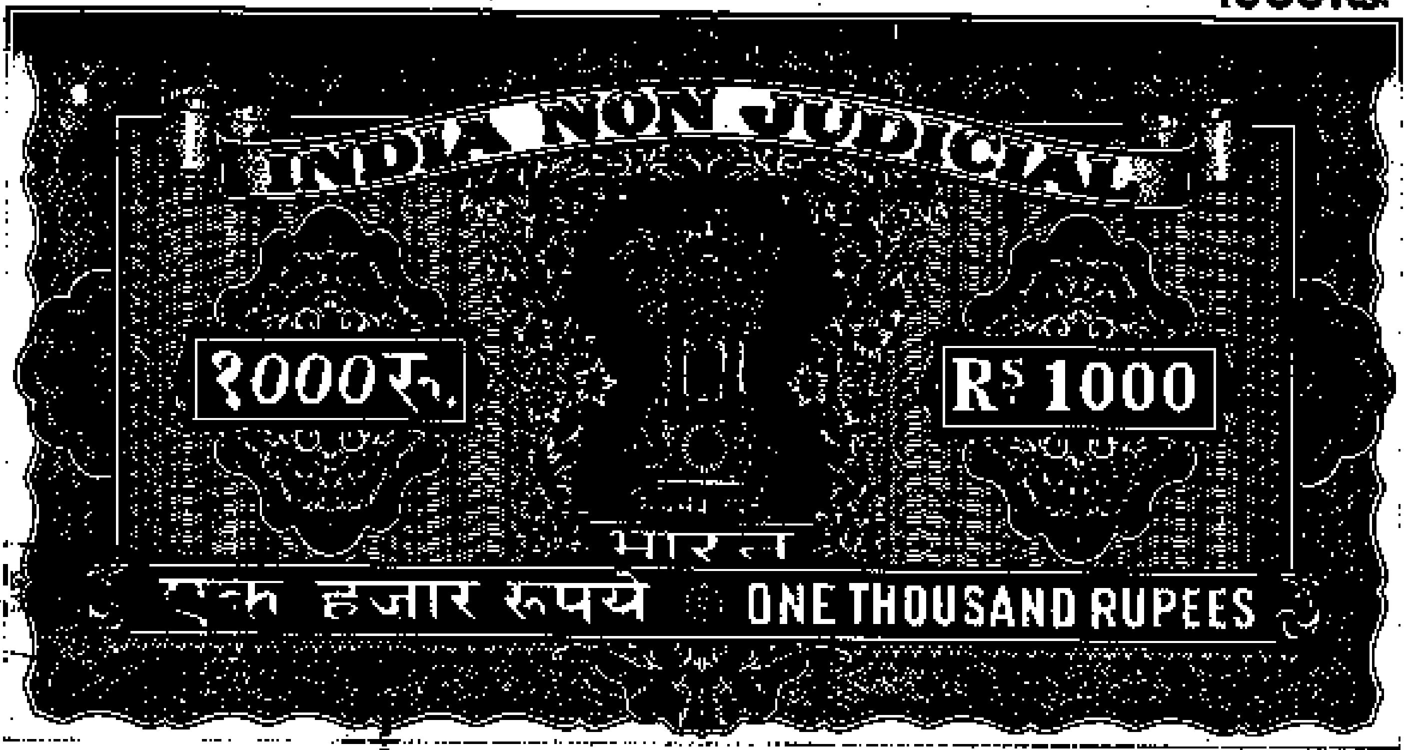

0434

(16)

के माल सरकारी कागजातों बरा दिया जायेगा या क्रेता बजरिये

अजय कुमार

(कौशल [illegible] -63

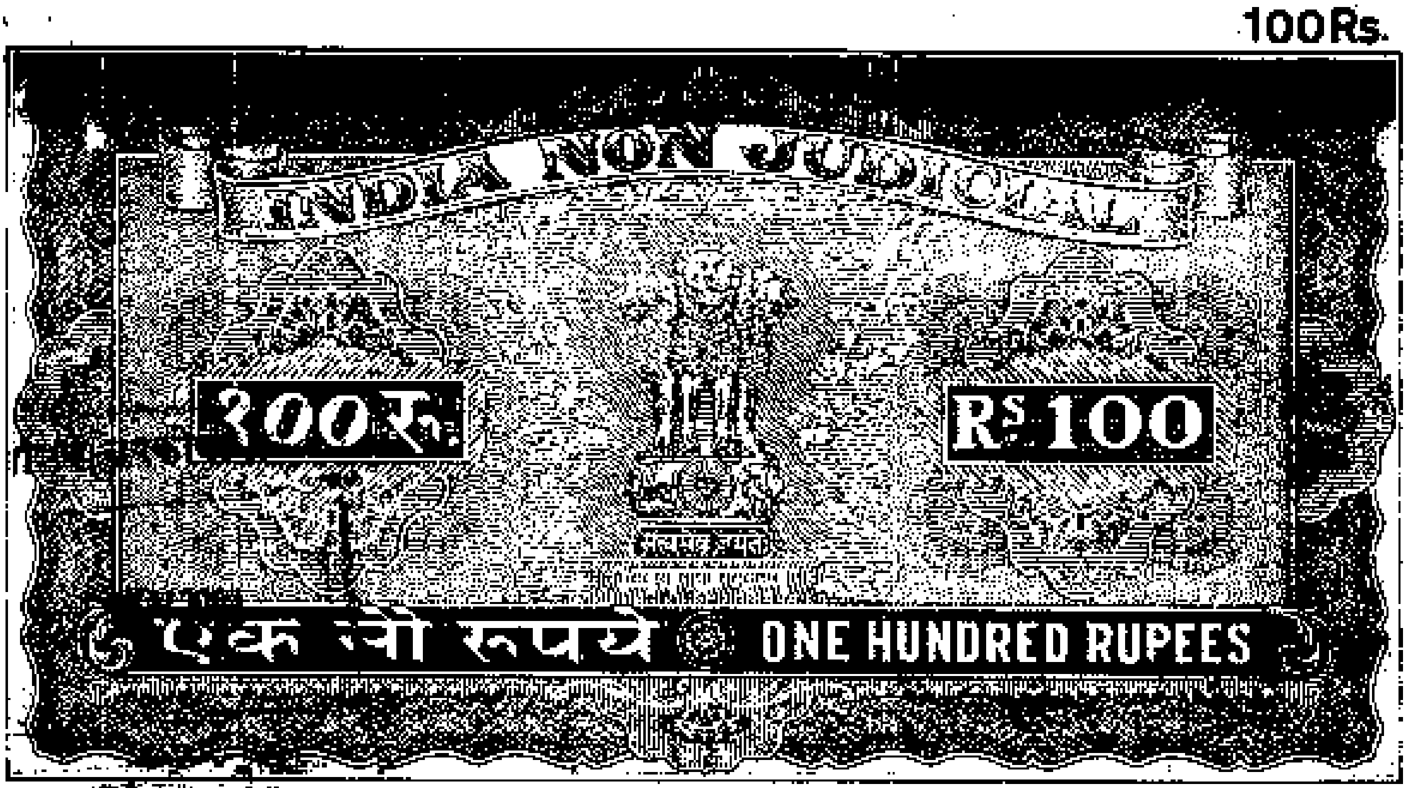

{17}

बैनामा स्वयं दाखिल खारिज करावे तो मुझे व मेरे वारिसान

अजय कुमार

100Rs.

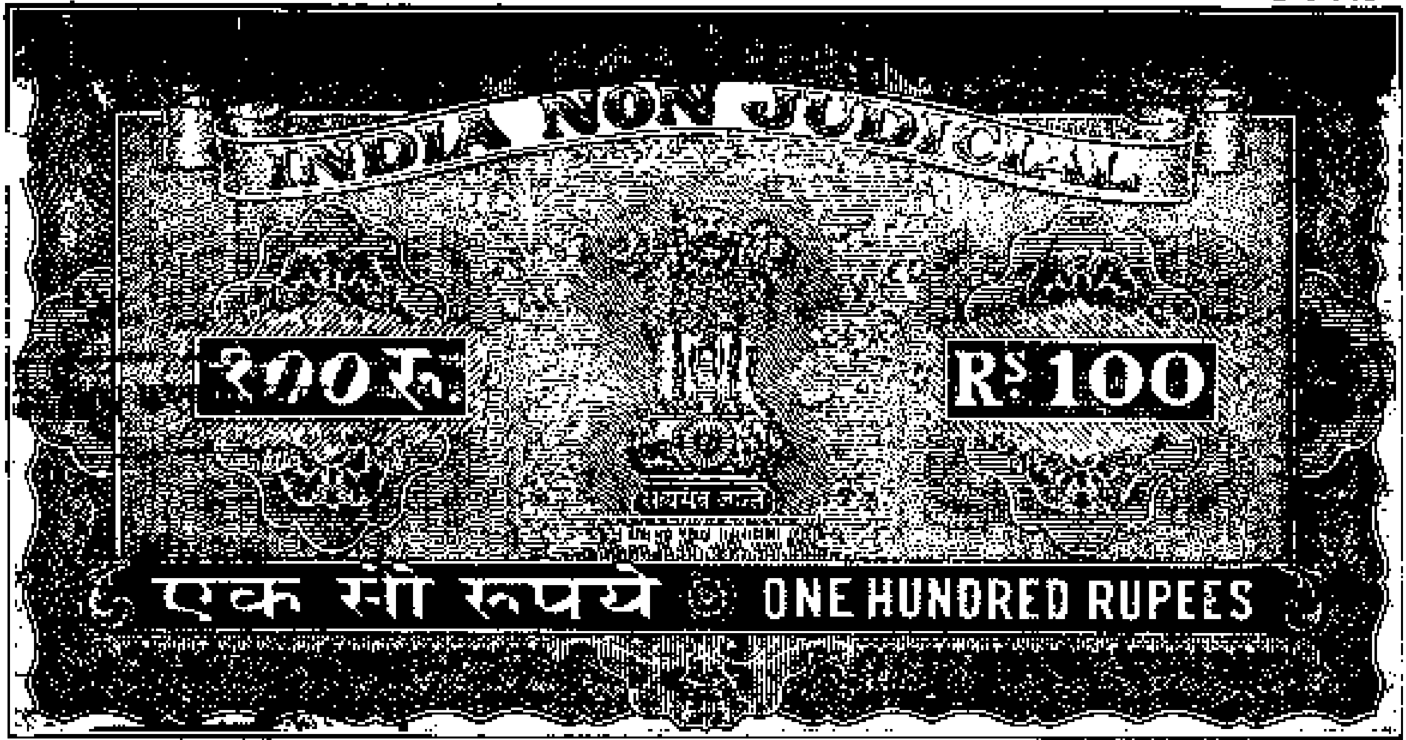

को कोई एतराज नही होगा।

अजय कुमार

19

100Rs.

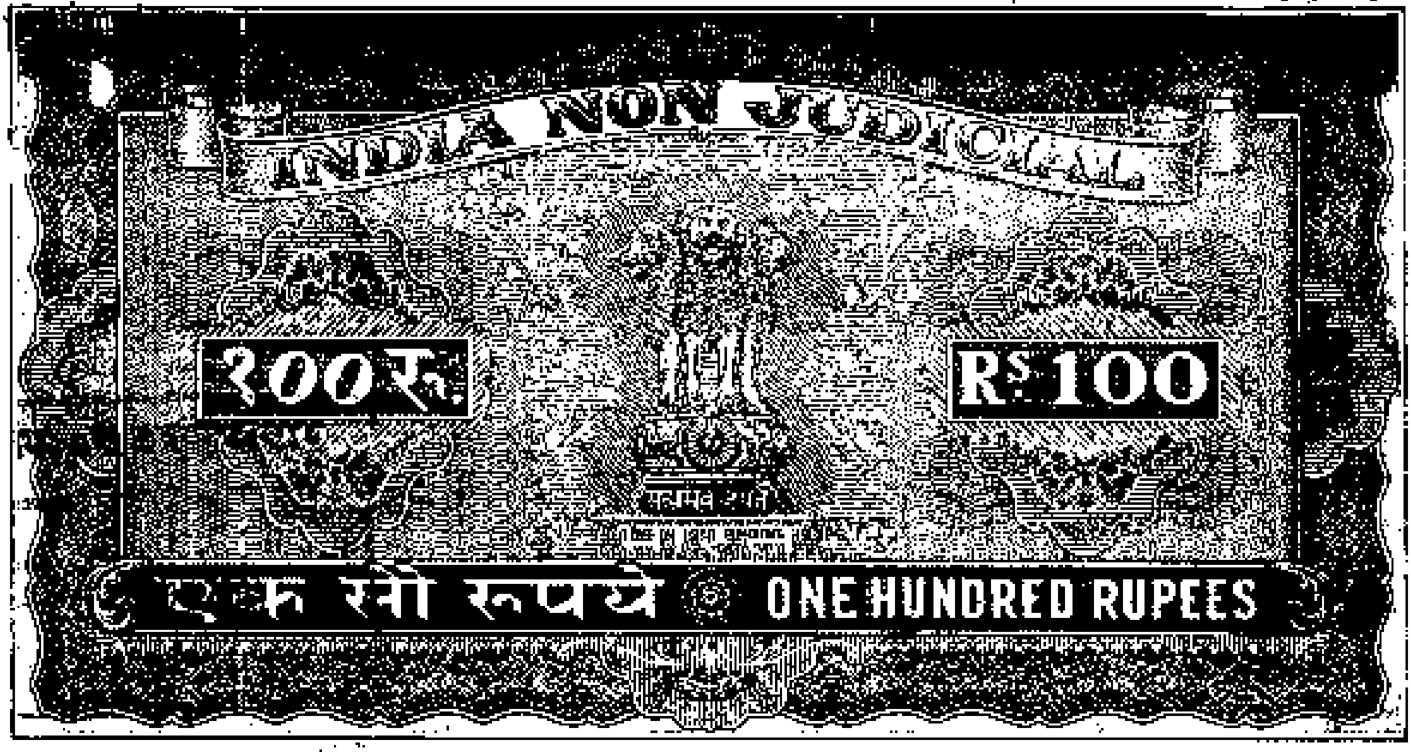

स्टाम्पविक्रेता

{19}

अत: यह विक्रय पत्र लिख दिया गया है कि सनद रहे और

समय पर काम आवे {इति}

अजय कुमार

गवाह1:- जयप्रकाश s/o रामसिंह R/o ग्राम दुरियाई परगना दादरी
जयप्रकाश

गवाह2:- सतपाल s/o ..... R/o दुरियाई परगना दादरी
सतपाल

तहरीरदिनांक 6-11-2000ई0 मसौदा कार्य अमपालसिंह पार्टी एड0दादरी।

वाद क्र 46
12-2-2001

1269 331 3551
1317 2439246
12/11/2000